संस्थान में हिन्दी सप्ताह का शुभारम्भ

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में “हिन्दी सप्ताह” का उद्घाटन 14-9-2020 किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय सोजत के पूर्व प्रोफेसर हरीदास व्यास ने बोलते हुए कहा कि तकनीकि शब्दावली में मूल भाषा के शब्दों का उपयोग किया जाना उपयुक्त होगा। हिंदी को भाषा के रूप में क्लिष्ट न बनाकर सरल जन मानस की भाषा बनाने पर ज्यादा जोर देने से ही हिंदी का प्रचार-प्रसार तेजी से होगा। प्रत्येक व्यक्ति की तीन मांऐं होती हैं, पहली ’जन्मदात्री’, दूसरी ’देश जहाँ जन्म हुआ’ और तीसरी ’भाषा जो उसके संस्कार और संस्कृति की न केवल संवाहक होती हैं बल्की परिचायक भी होती हैं और जड़ों से जोड़े रखने में सिद्ध होती हैं। अपनी माँ यानी भाषा का समुचित आदर करना चाहिए परन्तु अन्य भाषाओं का निरादर भी नहीं होना चाहिए। सूचना प्रौद्योगिकी और बाजारवादी युग में आज विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढने-लिखने और सीखने पर जोर दिया जा रहा है। गूग्गल, यूट्यूब, और अन्य अनेक सोशियल साईट्स आज हिन्दी में कार्य करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं, इससे हिन्दी कि महत्ता सिद्ध होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक डा. ओ.पी. यादव ने कहा कि काजरी नराकास के अन्तर्गत जोधपुर शहर में स्थित भारत सरकार के 40 कार्यालयों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार और मोनिट्रिंग में जुटी हुई है। मातृभाषा को बोलने, समझने और लिखने में जितनी सहजता होती हैं, वह अन्य भाषा में संभव नहीं हैं। हिन्दी अनुभाग के प्रभारी डा. प्रताप चन्द्र मोहराना ने अतिथीयों का स्वागत किया और कार्यवाहक हिन्दी अधिकारी श्री बहादुर सिंह सांखला ने सप्ताह भर के कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. महेश कुमार गौड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।